समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• दिसम्बर २०१५ • वर्ष ६६ • अंक १२

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१५ नवम्बर २०१५ को आयोजित दीपावली प्रीति मिलन समारोह में दीप प्रज्ज्वलन (बायें से दायें) श्री सत्यनारायण अग्रवाल, सांसद श्री विवेक गुप्ता, श्री सीताराम शर्मा, श्री राम अवतार पोद्दार, श्री विजय डोकानियाँ एवं डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया।

मारवाड़ भवन
भुवनेश्वर
ओडिशा

अखिल भारतीय समिति की बैठक

आतिथ्यः उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

१९ दिसम्बर २०१५
प्रातः ११.३० बजे

२८ नवम्बर २०१५ को सेठ सूरजमल जालान गर्ल्स कॉलेज कोलकाता में आयोजित संस्कार-संस्कृति-चेतना कार्यक्रम में (बायें से दायें) श्रीमती मौसमी पाठक, सर्वश्री नंदलाल सिंघानिया, शिव कुमार लोहिया, रामअवतार पोद्दार, तोलाराम जालान, श्रीमती देवयानी सान्याल, राम निवास शर्मा 'चोटिया' एवं श्यामलाल जालान भाषण प्रतियोगिता की प्रतिभागी छात्राओं के साथ।

इस अंक में :

- संगठन विस्तार एवं राजनैतिक सक्रियता अनिवार्य : सांसद विवेक गुप्ता
- सम्पादकीय : क्या महिलाओं को बराबर का अधिकार प्राप्त है?
- अध्यक्षीय : नई चुनौतियों का तकाजा
- सफलता के लिए अध्यात्म

सर्दियों में
ONLY TORRIDO

BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | STRETCHABLE | SOFT & NON-ITCHY

Stylish premium thermals
for the entire family.

RUPA®

TORRIDO

Premium Thermals

MEN | WOMEN | KIDS

www.rupa.co.in | Follow 'rupaknitwear' at YouTube | Toll Free No.: 1800 1235 001 | For more information, SMS 'RUPA' to 53456 | Shop online 24x7 at www.rupaonlinestore.com

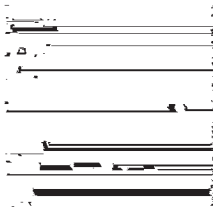

समाज विकास

◆ दिसम्बर २०१५ ◆वर्ष ६६ ◆अंक १२ ◆एक प्रति - ₹ १० ◆वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक			पृष्ठ संख्या
चिट्ठी आई है			४
सम्पादकीय : क्या महिलाओं को बराबर का अधिकार प्राप्त है?	–	*सीताराम शर्मा*	५
अध्यक्षीय : नई चुनौतियों का तकाजा...	–	*रामअवतार पोद्दार*	७
केन्द्रीय / प्रान्तीय समाचार			८-२०
लेख : सफलता के लिए अध्यात्म	–	*डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया*	२१
लेख : जावै लाख रैवो साख...	–	*शिव कुमार लोहिया*	२३
लेख : बुढापा अभिशाप नहीं वरदान है बशर्ते	–	*भानीराम सुरेका*	२४
सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत			२५-२६

स्वत्वावधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७
फोन : ०३३-२२६८ ०३१९ ◆ email: aimf1935@gmail.com
के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा
सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित
प्रधान संपादक : सीताराम शर्मा
सह-संपादक : शिव कुमार लोहिया
प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

HIGHER EDUCATION SCHOLARSHIP

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

Invites application from the meritorious and needy students of the society for scholarships to pursue Post Graduate Higher Education in the fields of Engineering. Technical, Civil Services, Medicine, Management etc.

Eligibility : (A) Meritorius student with excellent academic record between the age of 17-25 years and having secured admission in a recognized educational institution purely on the basis of merit. (B) Annual income of the perents of the candidate should preferably be less than Rs. Three Lakh.

Procedure: (A) Application with details of past academic records, proof of admission, parent's income/ along with passport size photograph may be submitted duly recommended by any branch of Marwari Sammelan/Associated Organisations. (B) The Scholarship payable per student per year will be a maximum of Rs. Two Lakh only. (C) One or two scholarships per academic year is reserved for girl students.

Please apply to : Chairman, Higher Education Committee, All India Marwari Sammelan,
152B, Mahatma Gandhi Road, Kolkata - 700 007
Phone & Fax : (033) 22680319, e-mail: aimf1935@gmail.com

चिट्ठी आई है

जाको कछु ना चाहिए...

पत्रिका का अक्टूबर-१५ अंक मान्यवर श्याम सुन्दर सराफ जी के यहाँ से ले आया। बहुत दिनों बाद इस पत्रिका को देख कर पिछले पच्चीस वर्षों के जीवन का संघर्ष याद हो आया। कुछ समय तक मैं भी समाज विकास से जुड़ा था, कई लेखादि उस समय छपे। फिर जीवन के उतार-चढ़ाव, बहुत कुछ छूटता चला गया। इस अंक के संपादकीय पृष्ठ पर जो बॉक्स में खबर छपी है वह वाकयी देश के जमाखोर-पैसाचोरों के मुँह पर तमाचा है और शिविन्दर सिंह को तो पूरे देश को सलाम करना चाहिए। कबीर ने कहा है – जाको कछु ना चाहिए वे ही बादशाह.....। सही अर्थों में शिविन्दर सच्चे बादशाह हैं। रतन लाल शाहजी तो हमारे साहित्यिक समाज का एक सक्रिय चेहरा हैं। उनके अनुभव से लाभ उठाना चाहिए। शायद पहली बार पश्चिम बंगाल को राज्यपाल के रूप में एक समर्थ चिंतक और कवि मिला है। इस अंक में उनके दोहे की यह पंक्ति एक दर्शन स्वरूप ही हैं – ठुमुक-ठुमुक मन नाचता, मीठे सपने देख - बिना कर्म के क्या कभी सुधरे नियति का लेख।

आशा करता हूँ कि समाज विकास के हर अंक में कम से कम एक पृष्ठ साहित्य के लिए जरूर होगा। विवाह के खर्चीले दानव से देश का हर वर्ग-समाज पीड़ित है। इसके लिए आपका समाज निरंतर प्रयासरत है, इस से मुक्ति के लिए आप चेष्टा कर रहे हैं। हमारे यहाँ भी एक सलाही कमिटी बनी है, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ। लोग बेटियों की शादियों में बिक रहे हैं।

– सेराज खान बातिश
कोलकाता

और व्यापक हो समाज विकास

अगस्त २०१५ के अंक में "चिट्ठी आई है" में भाई चेतमल सैंतला, उड़ीसा ने जो सुझाव दिया है उससे मैं भी सहमत हूँ। वास्तव में समाज विकास पत्रिका में जो लेख आदि प्रकाशित हो रहे हैं, वह केवल सीमित लेखकों के ही आ रहे हैं, जबकि अपने समाज में लेखकों की कोई कमी नहीं है। लेखकों का दायरा बढ़ाया जाए ताकि पाठकों को नए-नए लेखकों, साहित्यकारों, व्यंगकारों आदि के लेख पढ़ने को मिलने के साथ-साथ उनकी जानकारी भी प्राप्त हो।

राजस्थानी भाषा के साथ-साथ हरियाणा की भाषा में भी एकाध पेज देकर पत्रिका को और संवारा जा सकता है। पत्रिका नियमित प्राप्त हो रही है, प्रकाशन में संलिप्त सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों व सहयोगियों को बहुत-बहुत धन्यवाद।

– ईश्वर चन्द जैन
टिटिलागढ़, ओडिशा

युवक आगे आयें

राजस्थानी एवं हिन्दी भाषाओं के वरिष्ठ साहित्यकार, 'कुरजाँ' के प्रधान सम्पादक व कर्मयोगी डॉ. मनोहर लाल गोयल का निधन २३ जुलाई २०१५ को हुआ और यह समाचार अपनी पत्रिका के नवम्बर २०१५ में प्रकाशित हुआ अर्थात बहुत विलम्ब से वह भी 'समाचार सार' अन्तर्गत। अच्छा यह होता कि यह समाचार 'श्रद्धांजलि' के अन्तर्गत प्रकाशित होता। दीपावली पर्व पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रामअवतार जी पोद्दार का लेख 'कुरीतियों के अंधकार से निकलें' अच्छा लगा। श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा लिखा गया लेख 'जमनालाल जैसा दूसरा पुत्र कहाँ मिलेगा - - महात्मा गाँधी' एक शिक्षाप्रद, प्रेरक लेख है। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय कुमार हरलालका का लेख 'भूखा पेट और भौंडा प्रदर्शन' एक जमीनी हकीकत है। मारवाड़ी समाज में हर आदमी पैसेवाला नहीं है, ऐसे भी कई परिवार है जो कि अर्थ-अभाव में दीपावली पर्व पर केवल गणेश-लक्ष्मी जी की पूजा ही किसी तरह कर पाते हैं। सम्मेलन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय कुमार हरलालका जैसा युवा होना चाहिए जो कि मारवाड़ी समाज के नीचले स्तर या संघर्षरत परिवार, युवाओं की आवाज को समाज में विचारणीय विषय के रूप में रखे।

– जय किशन झाँवर, कोलकाता

प्रेरक प्रसंग

... और नींद उड़ गई

एक व्यापारी को नींद न आने की बीमारी थी। उसका नौकर मालिक की बीमारी से दुखी रहता था। एक दिन व्यापारी अपने नौकर को सारी संपत्ति देकर चल बसा। सम्पत्ति का मालिक बनने के बाद नौकर रात को सोने की कोशिश कर रहा था, किन्तु अब उसे नींद नहीं आ रही थी। एक रात जब वह सोने की कोशिश कर रहा था, उसने कुछ आहट सुनी। देखा, एक चोर घर का सारा सामान समेट कर उसे बाँधने की कोशिश कर रहा था, परन्तु चादर छोटी होने के कारण गठरी बँध नहीं रही थी।

नौकर ने अपनी ओढ़ी हुई चादर चोर को दे दी और बोला, इसमें बाँध लो। उसे जगा देखकर चोर सामान छोड़कर भागने लगा। किन्तु नौकर ने उसे रोककर हाथ जोड़कर कहा, "भागो मत, इस सामान को ले जाओ ताकि मैं चैन से सो सकूँ। इसी ने मेरे मालिक की नींद उड़ा रखी थी और अब मेरी।" उसकी बातें सुन चोर की भी आँखें खुल गईं।

इस कहानी से यह प्रेरणा मिलती है कि धन, पद-प्रतिष्ठा आदि में आकर्षण तो अत्यधिक होता है, लेकिन इनके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है, जिन्हें निभा पाना आसान नहीं होता। **साथ ही आवश्यकता से अधिक धन-संचय सुख और शान्ति भंग कर देता है।**

(संकलन : जय किशन झाँवर, कोलकाता)

सम्पादकीय

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (१० दिसम्बर)

क्या महिलाओं को बराबर का अधिकार प्राप्त है?

– सीताराम शर्मा

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना आज से ७० वर्ष पूर्व २४ अक्तूबर १९४५ को हुयी थी। राष्ट्र संघ के चार्टर में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया कि पुरुष एवं महिलाओं को बिना किसी भेद-भाव के बराबर का अधिकार प्राप्त होगा। १० दिसम्बर १९४८ को मानवाधिकार का घोषणा पत्र स्वीकृत हुआ।

राष्ट्र संघ द्वारा पारित सभी प्रस्तावों के अन्तर्गत प्रायः सभी देशों के कानून में इन अधिकारों को शामिल कर लिया गया। लेकिन इसके बावजूद हकीकत में महिलाओं को बराबर का अधिकार नहीं प्राप्त हुआ। क्या बिडम्बना है कि इन सब प्रस्तावों के पारित होने के ४५ वर्षों के बाद १९९३ में वियना मानवाधिकार सम्मेलन में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि महिलाओं के अधिकार मानवाधिकार हैं। इस तरह का प्रस्ताव पारित करने का क्या औचित्य था? **जब सभी व्यक्तियों के लिये मानवाधिकार १९४८ से पारित हो गये थे, उसके ४५ वर्ष बाद १९९३ में महिलाओं के लिये विशेष प्रस्ताव पारित हुआ, क्या मानवाधिकार में विश्व की आधी आबादी की महिलायें शामिल नहीं थी?** इसमें संशय का क्या अवकाश था?

"महिला महिला की सबसे बड़ी दुश्मन" : "सास-बहू का झगड़ा सबसे पुराना।"

एक दिलचस्प मामला उच्च न्यायालय के बाद अब उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटा रहा है। यह मामला घरेलू हिंसा से महिला की सुरक्षा कानून २००५ से संबंधित है।

मामले की कहानी कुछ यूँ है। बहू हीरल की सासुजी पुष्पा ने अपने बेटे हरसोरा के विरुद्ध संयुक्त परिवार की सम्पत्ति से बेदखल करने एवं शारीरिक एवं मानसिक यंत्रणा देने के विरुद्ध हर्जाने के रूप में ५ करोड़ की क्षतिपूर्ति का मामला घरेलू हिंसा कानून के अन्तर्गत दायर किया।

उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में पीड़ित महिलाओं को दो भागों में बाँटा है। बहुएँ, जो अपने पति एवं सासुजी के विरुद्ध इस कानून के अन्दर न्याय प्राप्त कर सकती हैं। और अन्य भाग में माँ और ननद को जो अगर इस कानून के दायरे में पीड़ित होती हैं, तो वे केवल अपने बेटे या भाई से क्षतिपूर्ति का दावा कर सकती हैं लेकिन अपनी बहू या ननद/भाभी से नहीं।

उच्च न्यायालय ने पुष्पा (सासुजी) को अपने पुत्र हरसोरा से ५ करोड़ के दावे के लिये कानूनन इजाजत दे दी है। इसके विरुद्ध बहू हीरल ने उच्चतम न्यायालय में अपील की है कि सासुजी को इस कानून के अंतर्गत कोई अधिकार नहीं है, केवल बहुओं को है। सासुजी के साथ उनकी लड़की कुसुम यानि बहू की ननद भी है।

उच्चतम न्यायालय के निर्णय का इंतजार है लेकिन इस बीच में केन्द्रीय सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह कानून केवल बहुओं के लिए ही नहीं है, परिवार की अन्य महिलायें भी इस कानून के अन्तर्गत मानवाधिकार हिंसा से न्याय प्राप्त कर सकती हैं।

देश एवं विदेश में आज भी महिलाओं के अधिकारों का अतिक्रमण होता है। महिलाओं के अधिकार के क्षेत्र में प्रगति निराशाजनक है, विशेषकर गरीब एवं अशिक्षित महिलाओं के जो देश के पिछड़े हिस्सों में रहती हैं। इस संबंध में कानून बनाये गये हैं लेकिन उनको लागू नहीं किया जा पा रहा है। महिलाओं के प्रति हिंसा एक विश्वव्यापक समस्या है। प्राप्त आँकड़ों के अनुसार दुनिया में तीन महिलाओं में से एक को अपने जीवन में शारीरिक यातना भुगतनी पड़ती है और प्रायः यातना देने वाला उसका नजदीकी अथवा पारिवारिक होता है।

यह कहना निर्मूल होगा कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा नहीं है। और इस हिंसा अथवा यातना को जाति, धर्म, राजनीति किसी भी आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

हमारे देश में भी कुछ आँकड़े चौंकाने वाले एवं शर्मनाक हैं। केन्द्रीय सरकार के अनुसार भारत में प्रत्येक दिन कम से कम ९३ महिलाओं को बलात्कार का शिकार होना पड़ता है एवं इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। **बलात्कार की संख्या २०१२ में जो २४,९२३ थी, वह २०१३ में बढ़कर ३३,७०७ हो गयी है।** बलात्कार पीड़ितों में अधिकतर १८ से ३० वर्ष उम्र की होती है। इनमें एक तिहाई १८ वर्ष से कम उम्र की होती है और प्रत्येक १० में एक की उम्र १४ से भी कम होती है। **इन वर्षों में ७-८ वर्षों की बालिकाओं के साथ बलात्कार की रपट आ रही है। भारत में प्रत्येक २० मिनट में एक बलात्कार की घटना घट रही है।**

जब तक देश की आधी आबादी महिलाओं को पूर्ण मानवाधिकार नहीं मुहैया कराये जाते हैं, तब तक भारत एक विकसित राष्ट्र का दर्जा नहीं प्राप्त कर सकता। इसलिये मारवाड़ी सम्मेलन के आरम्भिक कार्यक्रमों में महिलाओं से संबंधित सुधार कार्यक्रमों को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। ★★★

२००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिता : व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुईं हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनों तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है :

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की वनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

रामअवतार पोद्दार
राष्ट्रीय अध्यक्ष

जुगलकिशोर सराफ
चेयरमैन,
समाज सुधार उपसमिति

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
चेयरमैन, सलाहकार उपसमिति

अध्यक्षीय

सम्मेलन के आठ दशक पूरे

नई चुनौतियों का तकाजा : सक्रियता एवं समर्पण

– रामअवतार पोद्दार

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,
राम-राम, राधे-राधे!

आगामी २५ दिसम्बर २०१५ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अपनी स्थापना के ८० वर्ष पूरे कर रहा है। अपनी संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति एवं वृहत्तर सम्मेलन परिवार को इस गौरवमयी अवसर पर हार्दिक बधाई!

यह निर्विवाद है कि सम्मेलन की स्थापना के जो उद्देश्य थे, उन्हें प्राप्त करने की दिशा में अनवरत सक्रियता रही और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ भी हासिल हुईं, तथापि **किसी भी पुरानी संस्था को अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए समयान्तर में बदलते सामाजिक परिस्थितियों को हमेशा ध्यान में रखना होता है।** आज टूटते वैवाहिक संबंध, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, फिजूलखर्ची और आडंबर, राजनैतिक सक्रियता की कमी जैसी समस्याएँ हमारे समाज के समक्ष प्रश्नचिह्न हैं। **इस स्थापना दिवस पर वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए, सम्मेलन के कार्यक्रमों के माध्यम से, अपने यथासंभव योगदान का हम सब पुनर्संकल्प लें, स्वयं को इस पुनीत कार्य हेतु पुनर्समर्पित करें, यही हमारा सुसामयिक सटीक कर्त्तव्य होगा।**

हमलोग परम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने सम्मेलन के रूप में एक ऐसा वटवृक्ष हमें प्रदान दिया है जिसके तले संगठित होकर हमलोग सामाजिक समस्याओं का सामना कर सकते हैं। याद रखना होगा कि यहाँ क्रियाशब्द 'संगठित' है। कहते हैं कलियुग में संगठन में ही शक्ति है - "संघ शक्ति कलियुगे"।

हमलोग परम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने सम्मेलन के रूप में एक ऐसा वटवृक्ष हमें प्रदान दिया है जिसके तले संगठित होकर हमलोग सामाजिक समस्याओं का सामना कर सकते हैं। याद रखना होगा कि यहाँ क्रियाशब्द **'संगठित'** है। कहते हैं कलियुग में संगठन में ही शक्ति है - **"संघ शक्ति कलियुगे"**। इसलिए आज की परिस्थितियों में हमारा परम कर्त्तव्य अपने संगठन को अधिकाधिक शक्तिशाली बनाना है। **चाहे सामाजिक कुरीतियों से लड़ना हो, राजनीति के क्षेत्र में अपनी पहचान बनानी हो या विभिन्न स्थानों पर प्रवासी समाजबंधुओं की शांति-सुरक्षा सुनिश्चित करनी हो, संगठन वह मूलमंत्र है जो इन सबमें धुरीय भूमिका निभाएगा।** यह हर्ष का विषय है कि गत महीनों में हमारे कुछ प्रादेशिक सम्मेलनों ने इस दिशा में सक्रिय पहल कर अच्छे परिणाम प्राप्त किये हैं। तथापि, हमारा लक्ष्य राष्ट्र के हर मारवाड़ी परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को सम्मेलन का सदस्य बनाना है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें हर संभव कदम उठाना है।

जैसा आप जानते हैं, पिछले कुछ महीनों से सम्मेलन **संस्कार-संस्कृति-चेतना** के नाम से एक कार्यक्रम चला रहा है जिसका उद्देश्य हमारे बालक-बालिकाओं, किशोर-किशोरियों को अपने संस्कार-संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरुक रखना है।

यह कार्यक्रम अब तक कई स्थानीय विद्यालयों में किया जा चुका है और छात्र-छात्राओं की प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक रही है। जब आठवीं-दसवीं कक्षा की छात्र-छात्राएँ चाणक्य और विदुर के नीति-सूत्रों की व्याख्या कर उन पर अपने विचार व्यक्त करते हैं तो मन भाव-विभोर हुए बिना नहीं रह पाता। गत २८ नवम्बर २०१५ को कोलकाता-स्थित सेठ सूरजमल जालान गर्ल्स कॉलेज में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अच्छा रहा, तथापि **मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगा कि जो शिक्षा-संदेश हम अपने इस कार्यक्रम के माध्यम से देना चाहते हैं उसके लिए जितने कम उम्र के स्तर से शुरु करेंगे, उतना बेहतर होगा – 'कैच देम यंग'।** इस संबंध में पहले भी प्रादेशिक शाखाओं से सक्रियता हेतु अनुरोध किया गया है, पुनः अनुरोध करना चाहूँगा कि इस दिशा में हर स्तर पर सक्रियता के साथ पहल की जाय।

आगामी १९ दिसम्बर २०१५ को सम्मेलन के सबसे सक्रिय प्रान्तों में से एक, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, भुवनेश्वर में अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में आगामी सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव भी होगा। उत्साहित हूँ, फिर से उत्कल-क्षेत्र में जाने का एवं स्थानीय समाजबंधुओं से विचार-विमर्श का सुअवसर प्राप्त होगा।

अपने स्थापना दिवस के बाद १ जनवरी को अंग्रेजी नया साल प्रारंभ हो रहा है, नववर्ष में आपके स्वस्थ एवं समृद्ध होने एवं उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाओं सहित.....

जय समाज, जय राष्ट्र! ★★★

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
२४वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन

प्रिय महोदय,

आठ दशक पूर्व १९३५ में हमारे पूर्वजों ने समाज को संगठित करने एवं उसके समग्र विकास के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की। समाज सुधार, समरसता, राजस्थानी भाषा का प्रचार एवं प्रोत्साहन तथा राष्ट्रीय एकता सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य रहे हैं। प्रवासी मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था के रूप में सम्मेलन विभिन्न प्रांतों – आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर, तमिलनाडु, उत्कल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंग में कार्यरत हजारों सदस्यों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का कार्य कर रहा है। इसी वर्ष सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय के क्रियाकलापों के सुचारू संचालन हेतु कोलकाता के ४१, शेक्सपीयर सरणी (डकबैक हाउस) में १,८९९ वर्गफीट आधुनिक कार्यालय-स्थल खरीदा गया है।

राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर सम्मेलन के मुखपत्र 'समाज विकास' का एक पठनीय एवं संग्रहणीय विशेषांक प्रकाशित किया जायेगा। विशेषांक में सदैव आपका सहयोग प्राप्त होता है। आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि इस बार भी आपका विज्ञापनरूपी सहयोग प्राप्त होगा। रचनाकारों से लेख एवं संस्मरण भेजने का भी सादर अनुरोध है। कृपया निम्न विज्ञापन-प्रपत्र एवं रचनाएँ ३१ जनवरी २०१६ के पूर्व भिजवाएँ।

आदर सहित...

रामअवतार पोद्दार राष्ट्रीय अध्यक्ष	**प्रह्लादराय अग्रवाल** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**सीताराम शर्मा** प्रधान सम्पादक, 'समाज विकास'

शिव कुमार लोहिया राष्ट्रीय महामंत्री	**आत्माराम सोंथलिया** चेयरमैन, वित्तीय उपसमिति	**गोपाल अग्रवाल** राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	**संजय कुमार हरलालका** राष्ट्रीय संगठन मंत्री

Advertisement Proforma

Advertisement Manager
Samaj Vikas
152B (2nd Floor), Mahatma Gandhi Road
Kolkata - 700 007
e-mail : aimf1935@gmail.com

Dear Sir,

Please publish a Cover / Inside Cover / Special / Full / Half Page Advertisement in your Special Issue to be brought out on the occassion of 24th National Adhiveshan.

Our cheque is enclosed / will be sent in due course on receipt of your bill.

Thanking you,

Sincerely Yours

(Signature)

Tariff

Cover Page (Colour)	Rs. 50,000.00
Inside Covers (Colour)	Rs. 30,000.00
Special (Full Page Colour)	Rs. 20,000.00
Full Page (Black & White)	Rs. 10,000.00
Half Page (Black & White)	Rs. 6,000.00

Mechanical Data

Overall Page Area	27x19cm
Print Area	23x17cm
No. of Column	Two

All Cheques in favour of "All India Marwari Federation".

LAST DATE FOR RECEIPT OF ADVERTISEMENT : 31 JANUARY 2016

संगठन-विस्तार एवं राजनैतिक सक्रियता अनिवार्य : सांसद विवेक गुप्ता

श्री विवेक गुप्ता

"अधिक से अधिक समाजबंधुओं को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जोड़कर अपने संगठन को मजबूत बनाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारे समाज की, खासकर कोलकाता में, अच्छी जनसंख्या है किन्तु हमारी सदस्य-संख्या उस अनुपात में बहुत कम है, यह एक चिंतनीय विषय है।" ये विचार **सांसद श्री विवेक गुप्ता** ने सम्मेलन के दीपावली प्रीति मिलन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रकट किये। श्री गुप्ता ने उपस्थित सदस्यों से राजनैतिक सक्रियता का आह्वान करते हुए कहा कि सिर्फ बात करने से बात नहीं बनेगी, अच्छे लोगों को राजनीति में सक्रिय भागेदारी करनी होगी।

दीपावली प्रीति मिलन समारोह अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वाधान में १५ नवम्बर २०१५ को विवेकानंद रोड, कोलकाता स्थित हरियाणा भवन में आयोजित किया गया।

समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सांसद **श्री विवेक गुप्ता**, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा**, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** एवं पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ** ने मंगलमूर्ति भगवान श्रीगणेश के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर लिया। सुप्रसिद्ध गायक **श्री राजेश चतुर्वेदी** ने मधुर स्वर में गणेश-वन्दना की सांगीतिक प्रस्तुति की। उन्होंने प्रसिद्ध राजस्थानी गीत 'धरती धोरां री' और स्वागत-गीत भी बड़े मोहक अंदाज में गाया।

श्री रामअवतार पोद्दार

उपस्थित महिलाओं-पुरुषों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने अपने ध्येय-वाक्य 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' का अनुपालन करते हुए सम्मेलन द्वारा समाज-सुधार के क्षेत्र में योगदानों की चर्चा की। प्रकाश-पर्व दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए उन्होंने कहा कि समाज में आज भी कुछ कुरीतियाँ व्याप्त हैं जिनके अंधकार से बाहर निकलने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा, इसमें खासकर युवक-युवतियों को अपनी भूमिका निभानी होगी।

समारोह के प्रमुख वक्ता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने समारोह की अच्छी उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुए संगठन-विस्तार हेतु सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। सम्मेलन के गतिविधियों की चर्चा करते हुए उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सम्मेलन द्वारा उठाए गए कदमों को प्रशंसनीय बताया। उच्च प्रोफेशनल शिक्षा को आज की अपरिहार्य आवश्यकता बताते हुए श्री शर्मा ने कहा कि हमें सचेत रहना होगा कि संसाधनों के अभाव में कोई मेधावी छात्र शिक्षा से वंचित न रह जाए।

श्री सीताराम शर्मा

राजनैतिक सक्रियता को समाज के सर्वांगीण विकास और अपनी जमीनी ताकत बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए श्री शर्मा ने कहा कि जो राजनीति में स्थापित हैं, वे दूसरों की भी सहायता करें।

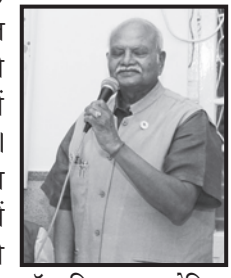

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया

सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने अपने वक्तव्य में संगठन को और मजबूत करने और सभी को साथ लेकर सम्मेलन के कार्यक्रमों को गति देने पर बल दिया।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिजय डोकानियाँ** ने संगठन-विस्तार के लिए एक हजार नये सदस्य बनाने के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से इसमें सहयोग का अनुरोध किया। संगठन के प्रकल्पों की चर्चा करते हुए श्री डोकानियाँ ने कहा कि सभी के सहयोग से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रकल्पों के लिए अर्थाभाव न हो।

श्री बिजय डोकानियाँ

हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष **श्री बाबूलाल धनानिया** ने कहा कि सफलता के लिए मेहनत, लगन और ईमानदारी की जरूरत होती है। इस कसौटी पर मारवाड़ी समाज खरा उतरा है। किन्तु, साथ ही हमें सामाजिक कुरीतियों के प्रति भी सजग रहना होगा।

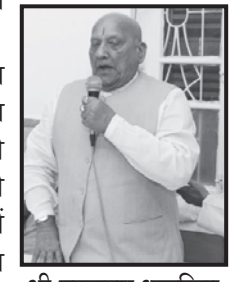

श्री बाबूलाल धनानिया

सम्मेलन के निवर्तमान महामंत्री **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि समय अन्तर्मन के दीपक जलाने और अंधकार को मिटाने का है। इसके लिए निरंतर प्रयास चलना चाहिए — **देहरी पर दीप जलता रहे, अंधकार से युद्ध चलता रहे।।**

श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल ने कहा कि आज के एवं भावी समाज

श्रीमती विमला डोकानिया

के प्रारूप पर चिंतन करने के लिए सम्मेलन बधाई का पात्र है। साथ ही, यह वक्त अपनी आवाज को शक्ति देने का है, इसका भी ध्यान रहना चाहिए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल**, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री भानीराम सुरेका, डॉ. जुगलकिशोर सराफ, श्री आत्माराम सोंथालिया, श्रीमती बिमला डोकानिया, श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री कृष्ण कुमार सिंघानिया** ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे एवं शुभकामनाएँ दीं। कवि **श्री जगदीश प्रसाद पाटोदिया 'चाँद'** ने समाज के भावनाओं से ओत-प्रोत कविता सुनायी।

प्रीति-मिलन समारोह में सम्मेलन के संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी**, पश्चिम बंग सम्मेलन के कोषाध्यक्ष **श्री नरेश कुमार डालमिया, सर्वश्रीमती मंजु यादुका, पुष्पा चौधरी, संजू डोकानियाँ, सर्वश्री ओमप्रकाश अग्रवाल, संदीप सेक्सरिया, गोविन्द अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, श्याम लाल डोकानिया, ओम लड़िया, रवीन्द्र लड़िया, विश्वनाथ मारोठिया, राधेश्याम सफर, विनोद अग्रवाल, प्रमोद गोयनका, सीताराम शर्मा, रतनलाल अग्रवाल, प्रेमचंद सुरेलिया, रामनिवास शर्मा 'चोटिया'** सहित समाज की गणमान्य महिलाएँ-पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

श्री शिव कुमार लोहिया

समारोह का संचालन सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** एवं धन्यवाद-ज्ञापन पश्चिम बंग सम्मेलन के महामंत्री **श्री सत्यनारायण अग्रवाल** ने किया। ★ ★ ★

दीपावली प्रीति मिलन समारोह में गणमान्य महिलायें-पुरुष

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों के सादर ध्यानार्थ

श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, महामंत्री, बिहार सम्मेलन से सूचना प्राप्त हुई है कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सदस्यता निर्देशिका के प्रकाशन का कार्य जनवरी २०१६ में प्रारंभ हो रहा है। बिहार सम्मेलन के सभी सदस्यों से अपना विवरण अपने फोटो के साथ बिहार सम्मेलन के कार्यालय में प्रेषित करने का अनुरोध है। वांछित विवरण हैं – सदस्य का नाम, पिता/पति का नाम, जन्मतिथि, पता, सदस्यता की श्रेणी (संरक्षक/आजीवन), ब्लड ग्रुप, व्यवसाय, पत्नी का नाम, परिवार के सदस्य (पुरुष.....महिलायें.....), दूरभाष (मोबाईल.... आवास..... कार्यालय.....), ईमेल एवं हस्ताक्षर।

भेजने का पता : श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल, महामंत्री, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, प्रथम तल्ला, पूजा अपार्टमेंट, वींग बी, न्यू डाक बंगला रोड, पटना – ८०० ००१,
टेलीफोन : ९३३४४९१००९ (मो.)।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

● २७-२८ जून २०१५ को आयोजित प्रांतीय अधिवेशन में पदभार ग्रहण करने के बाद प्रांतीय अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने अपनी कार्यकारिणी का गठन किया। पूरे प्रांत को सात मंडलों में बाँटकर प्रत्येक मंडल हेतु एक मंडलीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है और उनके सहयोग हेतु एक सहायक मंत्री की भी नियुक्ति की गयी है। मंडलीय उपाध्यक्षों का केन्द्रीय लक्ष्य अपने मंडल में संगठन का विस्तार – नयी शाखाएँ खोलना, निष्क्रिय पड़ी शाखाओं को गतिशील करना आदि, होगा।

● नवगठित प्रांतीय कार्यकारिणी की पहली बैठक १ अगस्त २०१५ को गुवाहाटी शाखा के आतिथ्य में आयोजित की गयी। उपस्थिति अच्छी थी। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. श्याम सुंदर हरलालका** ने समाज सुधार के कार्यक्रमों को गति देने पर बल दिया। प्रांतीय अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने संगठन-विस्तार हेतु तीन सूत्री – **निष्क्रिय शाखाओं को सक्रिय करना, नयी शाखाओं का गठन एवं व्यापक सदस्यता अभियान**, योजना रखी। **"हर घर एक सदस्य"** के ध्येय-वाक्य के साथ संगठन-विस्तार का व्यापक अभियान छेड़ने का निर्णय लिया गया। प्रांतीय महामंत्री **श्री प्रमोद तिवाड़ी** ने समाज सुधार के मुद्दों की चर्चा करते हुए कहा कि समाज सुधार एक लम्बी प्रक्रिया है और इसके लिए उपयुक्त माहौल तैयार करने के लिए बहुविध प्रयास करने होंगे।

● गत महीनों राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एन.सी.आर.) उन्नतिकरण अभियान के दौरान पूर्वोत्तर सम्मेलन ने सभी समाजबंधुओं के नाम पंजी में शामिल कराने हेतु सक्रिय पहल की। नवगठित **पाठशाला शाखा** एवं **गुवाहाटी शाखा** ने इस विषय पर जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किया। **जोरहाट शाखा** के अध्यक्ष **श्री बाबुलाल गगड़** की अध्यक्षता में एन.सी.आर. के बारे में जानकारी देने एवं विभिन्न शंकाओं के समाधान हेतु जोरहाट में एक कार्यशाला आयोजित की गयी।

● २५ और २६ अक्तूबर २०१५ को प्रांतीय अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने प्रांतीय सलाहकार **श्री विजय कुमार मंगलुनिया**, मंडलीय उपाध्यक्ष **श्री ललित कोठारी**, प्रांतीय महामंत्री **श्री प्रमोद तिवाड़ी**, सांगठनिक मंत्री **श्री अशोक कुमार अग्रवाल** एवं संयुक्त मंत्री **श्री राधेश्याम अग्रवाल** के साथ मध्य असम के रोहा, नगांव, कलियाबर, होजाई, लंका और कठियातुली का दौरा किया। संगठन-विस्तार एवं स्थानीय स्तर पर परस्पर संवाद के दृष्टिकोण से दौरों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। विशेषकर होजाई में २६ अक्तूबर को आयोजित सभा में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर समाजबंधुओं ने पदाधिकारियों के साथ संगठन एवं समाज से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी राय रखी।

● ३ नवम्बर २०१५ को कृषक मुक्ति संग्राम समिति के श्री अखिल गोगोई द्वारा समाज के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर पूर्वोत्तर सम्मेलन ने पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के साथ मिलकर आपत्ति जताई और कड़े शब्दों में उनके वक्तव्य की निंदा की। ★★★

होजाई में सभा को सम्बोधित करते प्रान्तीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सीकरिया

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. **#MBA + PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. **#BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. **#BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- Hostel
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English
- Foreign Languages
- Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development
- Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship
- Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

Fax/Phone : +91-33-2268 0319 ESTD. 1935 E-mail : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)
152-B, Mahatma Gandhi Road, Kolkata - 700 007
१५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता-७०० ००७

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता, राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
रामअवतार पोद्दार
09830019281

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
प्रह्लादराय अग्रवाल
09830079111
रमेशचन्द गोपीकिशन बंग
09423101700
सुरेन्द्र लाठ
09437488822
श्याम सुन्दर हरलालका
09435042247
रमेश कुमार बंग
09848082765
विनय सरावगी
09431100311

राष्ट्रीय महामंत्री
शिव कुमार लोहिया
09830553456

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
गोपाल अग्रवाल
09331016950

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
संजय कुमार हरलालका
09804154115

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
कैलाशपति तोदी
09830044079
अमित सरावगी
07631200000

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं कर्नाटक

सम्मेलन भवन
25ए, राजा राममोहन राय सरणी
(अमहर्स्ट स्ट्रीट)
कोलकाता - 700 009
फोन : (033) 2350-9929

Contribution Exempted under 80G of I. TAX Act

अ.भा.मा.स./१९/१०१५-१६ २७ नवम्बर २०१५

अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों की सेवा में

मान्यवर,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की आगामी बैठक उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, शनिवार, **१९ दिसम्बर २०१५ को प्रातः ११:३० बजे, मारवाड़ भवन (यूनिट-६, भुवनेश्वर क्लब के पीछे), भुवनेश्वर, ओडिशा** में, निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गयी है।

बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार करेंगे।

बैठक में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

भवदीय,

शिव कुमार लोहिया

(शिव कुमार लोहिया)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषय:

१. गत बैठक का कार्यवृत्त पारित करना।
२. अध्यक्षीय संबोधन।
३. महामंत्री की रपट।
४. नये सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन।
५. विविध - अध्यक्ष की अनुमति से।

संलग्न:

१. गत बैठक का कार्यवृत्त।
२. चुनाव अधिकारी का पत्र।

विशेष नोट:

१. १४ जून २०१५ की अखिल भारतीय समिति की बैठक में प्रदत्त अधिकार के अन्तर्गत श्री नंदलाल सिंघानिया को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया।

२. उत्कल के बाहर से पहुँचने वाले माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने आगमन एवं प्रस्थान संबंधी पूर्व सूचना श्री जगदीश गोलपुरिया, महामंत्री - उत्कल सम्मेलन (मो. ९४३७२४१४७१/९०४०३७०४८१) या श्री उमेश खण्डेलनवाल, मंत्री, उत्कल सम्मेलन (मो. ९४३७०७०२८९) या श्री गौरीशंकर अग्रवाल, संयोजक, उत्कल सम्मेलन (मो. ९४३७३३११७१) एवं राष्ट्रीय कार्यालय प्रबंधक श्री अभिलाष दूबे (मो. ९०८८८६८४९२) को यथाशीघ्र देने की कृपा करें ताकि आवश्यकतानुसार स्वागत एवं निवास आदि की समुचित व्यवस्था की जा सके।

GAUMATA KI JAI

SRINATHJI KI JAI

PAHARI MATA KI JAI

DADIJI KI JAI

Happy New Year

From :

SITARAM PODDAR GROUP OF COMPANIES

Chairman :

Er. Shyam Sundar Poddar

B.E.E., F.I.E., C.E.(I), M.B.A.

- **HURDAYAL PODDAR & COMPANY**
- **HURDAYAL SITARAM**
- **BAL KISHAN SECURITIES**
- **POWER PRODUCT CORPORATION**
- **HARSH ADITYA RESORTS**
- **HARSH ADITYA REALITY (P) LTD.**
- **S.D.R. EXPORTS PVT. LTD.**
- **ORISSA PLASTO PIPES PVT. LTD.**
- **CHANDANESWAR ENTERPRISES LTD.**

SITARAM HURDAYAL PODDAR

(Fatehapur Shekhawati) Charitable Trust

P.o.- Baralu, Tehasil - Loharu, Dist.- Bhiwani, Hariyana.

Hurdayalji Poddar Ki Haveli
Chhota Bazzar
Po : Fatehapur Shekhawati
Dist : Sikar-332301, Rajasthan

Poddar Bhawan
153-A, Muktram
Babu Street
Kolkata-700007

Poddar Vihar
Plot No.- 1141
Madhusudan Nagar
Tulasipur, Cuttack – 753 008

Silver Spring Appartment
'5' J. B. S. Haldane Avenue
Flat No.- 6C, Block No.- 09
Kolkata – 700 105

★ KOLKATA ★ TALSARI ★ JAJPUR ★ CUTTACK ★ PURI

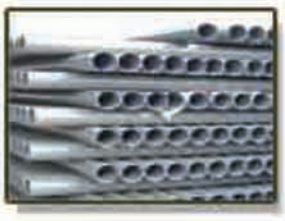

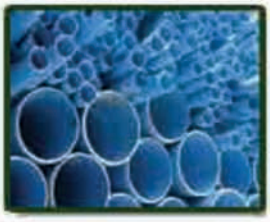

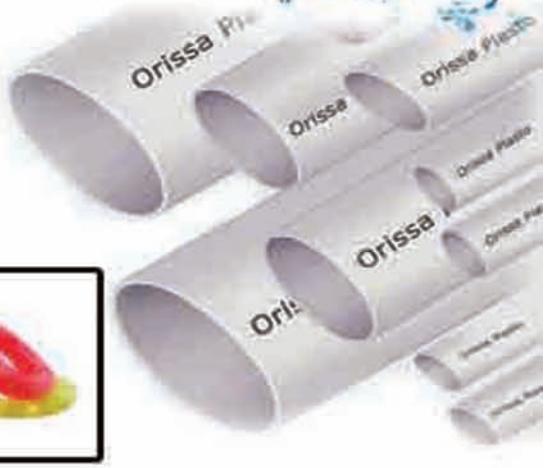

Orissa Plasto

SWR,UPVC,HDPE,GARDEN HOSE, BOREWELL CASING PIPES & FILTERS

ORISSA PLASTO PIPES PVT. LTD.

B-31,32 & 33 NEW INDUSTRIAL ESTATE,JAGATPUR,CUTTACK-754021 (ODISHA)

PH.:0671-2491730,MOB.-9861096647,9583119636,9937174307

WONDER GROUP

wonder wallz

Made-To-Order Wall Decor

"you imagine we create"

WonderWallz is a division of Wonder Images Pvt. Ltd. The state of art machines & the efficient design team helps to deliver wall solutions for all unique requirements. With over 1lakh designs it is easy to choose a wall which is a true representation of your choice.

The USP is zero wastage, customized design, lower effective cost, environment friendly & unique creation.

MADE -TO- ORDER SOLUTIONS

- Wall Covering
- Textured Wall Paper
- Etching Films
- Printed Transparent Films
- Canvas Art
- Portraits
- Wall Clocks
- Designer Panels & Partition
- Lampshades
- Decor Items
- Signage
- Building Warp

COLOURS

Customization

CREATIVITY

Unique wall solutions

Contact Us:

Aditi: +91 98307 25900
Email: aditi@wondergroup.in
Gallery: www.flickr.com/photos/131388784@N04/
Flickr ID: kediaaditi

Works:
Tangra Industrial Estate-II (Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road, Kolkata-700 015, India.
Tel: +91 33 23298891-92

अजीम प्रेमजी ने अपनी आधी दौलत चेरिटी के नाम की

श्री अजीम प्रेमजी

गिविंग प्लेज पर हस्ताक्षर करने वाले विप्रो लि. के अरबपति चेयरमेन अजीम प्रेमजी ने दान में बाँटने के लिए अपनी आधी संपत्ति अलग कर ली है। कंपनी में उनका जो ७३.३९ फीसदी हिस्सा है, उसमें से कुल ३९ फीसदी उन्होंने दान कार्य के लिए आबंटित कर दिया है। अपना २१ फीसदी हिस्सा वह पहले ही आबंटित कर चुके थे, अब १८ फीसदी और आबंटित किया है। ९९,५०० करोड़ रुपये मूल्य की देश की तीसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी में अजीम प्रेमजी का हिस्सा ७३.३९ फीसदी है।

मार्च २०१५ में समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए विप्रो की सालाना रिपोर्ट में प्रेमजी ने कहा कि उन्होंने अपनी कंपनी के शेयर एक ऐसे ट्रस्ट को ट्रांसफर कर दिया है जो कल्याण कार्यो को अंजाम देता है। खासकर यह ट्रस्ट प्राथमिक शिक्षा पर अपना ध्यान केन्द्रित किए हुए है।

गिविंग प्लेज एक अंतराष्ट्रीय अभियान है जिसको शुरू करने का मकसद विश्व के सबसे धनी व्यक्तियों और परिवारों को बुलाकर उनसे अपनी आधी दौलत उपकार के कार्यो एवं चेरिटेबल संगठनों के देने के लिए आग्रह करना है। २०१३ में प्रेमजी ने अपनी प्रतिज्ञा में इस बात का उल्लेख किया था कि **जिन लोगों को भगवान ने पर्याप्त रूप से दौलत दे रखी है, उन लोगों को ऐसे लाखों लोगों के लिए बेहतर विश्व निर्माण करने का प्रयास करना चाहिए जिनको कोई भी सुविधा हासिल नहीं है।**

शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में प्रेमजी ने लिखा, पिछले १५ वर्षो में मैंने अपने निजी उपकारी कार्य के माध्यम से अपनी आस्था को कार्यरूप में बदलने की हर मुमकिन कोशिश की है। इस अवधि में मैंने विप्रो में अपनी शेयर होल्डिंग का एक बड़ा भाग (३९ फीसदी) एक ट्रस्ट को ट्रांसफर कर दिया है। प्रेमजी के करीबी लोगों ने भी कहा कि प्रेमजी धीरे धीरे अपनी दौलत उपकारी कार्यो के लिए ट्रांसफर कर रहे हैं।

कलयुग के दानवीर श्री अजीम प्रेमजी की इस प्रेरणादायक महत्वपूर्ण पहल पर समाज के लोग सोचें, समझें, मनन करें, कुछ दूसरों के लिए करें।

सुनील कानोड़िया एसोचैम के अध्यक्ष निर्वाचित

श्री सुनील कानोड़िया

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनैन्स लिमिटेड के वाइस चेयरमैन **श्री सुनील कानोड़िया** ने गत २५ नवम्बर २०१५ को 'द असोशिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्री ऑफ इंडिया' (एसोचैम) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

एसोचैम ने एक वक्तव्य में कहा कि श्री कानोड़िया ने ३४,००० करोड़ रुपये से ज्यादा की पूँजी श्रेई के अन्तर्गत लाने में धुरीय भूमिका निभायी है। श्रेई लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड होने वाली प्रथम नॉन-बैंकिंग फाइनैन्स कम्पनियों में से एक है।

श्री सुनील कानोड़िया उद्योग जगत की विभिन्न संस्थाओं यथा कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री डेवलपमेंट कौंसिल, हायर परचेज एण्ड लीज असोशिएशन (कोलकाता), मर्चेन्टस चैम्बर ऑफ कॉमर्स (कोलकाता), फेडरेशन ऑफ हायर परचेज असोशिएशन आदि से संबद्ध रहे हैं। वे **योजना आयोग, भारत सरकार** के वर्किंग ग्रुप ऑन कंस्ट्रक्शन फॉर द टेंथ फाइव-ईयर प्लान (२००२-०७) में सदस्य के प्रतिष्ठित पद पर भी रह चुके हैं।

श्री सुनील कानोड़िया ने समाजसेवा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। सुनीलजी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद जी कानोड़िया** के सुपुत्र हैं और वे सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य हैं।

भ्रम

छूटा पसीना और कंपकपी देख सर्प को अन्धकार में
भय भागा आराम मिला जब हुआ तिमिर का नाश।
रस्सी थी वह सर्प नहीं था, था केवल आभास,
बस करना है अभ्यास!
रज्जु सत्य सर्प है मिथ्या यह प्रकाश ने दिखलाया
ब्रह्म सत्य है जगत है मिथ्या कौन हमें समझायेगा?
ऋषि-मुनि-उपनिषद बेद बखानें गुरु, शास्त्र और स्वयं कृपा से,
श्रवण, मनन-और निदिध्यासन से यह सत्य समझ में आयेगा!

– **अभय सर्राफ**, देवघर (झारखंड)

'फोर्ब्स' की सबसे धनी १०० भारतीयों की सूची

पहले पाँच में कोई मारवाड़ी नहीं; ८वें स्थान पर लक्ष्मी निवास मित्तल; १०वें कुमारमंगलम बिड़ला

सबसे धनी १०० भारतीयों की फोर्ब्स द्वारा जारी सूची के अनुसार करीब १,२४,७४० करोड़ रूपये की सम्पति वाले श्री मुकेश अम्बानी भारत के सबसे धनी व्यक्ति हैं। श्री दिलीप संधवी दूसरे और श्री अजीम प्रेमजी तीसरे स्थान पर हैं।

मारवाड़ियों में श्री लक्ष्मी निवास मित्तल (रू. ७३,९२० करोड़) इस सूची में आठवें एवं श्री कुमारमंगलम बिड़ला (रू. ५१,४८० करोड़) दसवें स्थान पर हैं। कोलकाता स्थित मारवाड़ियों में श्री वेणु गोपाल बांगड़ (रू. २५,७४० करोड़) बाइसवें, श्री राधेश्याम अग्रवाल एवं श्री राधेश्याम गोयनका १०,५६० करोड़ रूपये के साथ संयुक्त पचहत्तरवें और श्री संजीव गोयनका (रू. ७,९२० करोड़) सतानवेवें स्थान पर हैं।

फोर्ब्स सूची : शीर्ष पन्द्रह

क्रम संख्या	नाम सर्वश्री	सम्पति (करोड़ रू.)
१.	मुकेश अम्बानी	१,२४,७४०
२.	दिलीप सिंघवी	१,१८,८००
३.	अजीम प्रेमजी	१,०४,९४०
४.	हिन्दुजा ब्रदर्स	९७,६८०
५.	पिल्लोनजी मिस्त्री	९७,०२०
६.	शिव नादर	८५,१४०
७.	गोदरेज परिवार	७५,२४०
८.	लक्ष्मी निवास मित्तल	७३,९२०
९.	साईरस पूनावाला	५२,१४०
१०.	कुमारमंगलम बिड़ला	५१,४८०
११.	गौतम अदानी	४६,२००
१२.	उदय कोटक	४२,९००
१३.	सुनील मित्तल	४०,९२०
१४.	देशबन्धु गुप्ता	३८,९४०
१५.	शशि एवं रवि रूइया	३८,२८०

१

२

३

४

५

६

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

मारवाड़ी सम्मेलन की पश्चिम दिल्ली शाखा के तत्वाधान मे आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान करते प्रान्तीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका (दायें) एवं प्रान्तीय महामंत्री श्री राज कुमार मिश्रा। साथ में परिलक्षित हैं पश्चिम दिल्ली शाखा के अध्यक्ष श्री नवरतन मल अग्रवाल, मंत्री श्री सूर्य प्रकाश लाहोटी तथा अन्य पदाधिकारीगण।

प्रकाश हेतमसरिया के जीवन पर पुस्तक का विमोचन

श्री प्रकाश हेतमसरिया

गत १७ अक्तूबर २०१५ को सिंगापुर के उद्योग मंत्री **श्री एस. ईश्वरन** ने **श्री प्रकाश हेतमसरिया** के जीवन पर आधारित पुस्तक **'इंटेग्रेशनः पर्सपेक्टिव्स ऑफ ए नेचुरलाइज्ड सिटिजेन'** का विमोचन किया। पुस्तक में लेखिका **डॉ. श्रुति सिन्हा** ने श्री हेतमसरिया द्वारा पिछले २० वर्षों में आप्रवासी से नागरिक बनने, वहाँ के स्थानीय जीवन से समरस होकर एक जमीनी नेता के रूप में स्थापित होने की यात्रा और अनुभवों का वर्णन किया है।

ज्ञातव्य है कि करीब ११० वर्ष पूर्व मंडावा (राजस्थान) से आकर रामगढ़ कैन्ट (झारखंड) में बसे परिवार के स्व. राधेश्याम हेतमसरिया के सुपुत्र श्री प्रकाश हेतमसरिया ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा झारखंड से प्राप्त की। उसके बाद कोलकाता में सी.ए. की पढ़ाई और शेयर का काम किया। १९९९ में उन्हें सिंगापुर की नागरिकता मिली और वर्तमान में आप एक अंतर्राष्ट्रीय कम्पनी में सी.एफ.ओ. हैं।

सिंगापुर में श्री प्रकाश हेतमसरिया मारवाड़ी मित्र मंडल से जुड़े। वहाँ उन्होंने झारखंड एवं बिहार के प्रवासी भारतीयों को एक मंच पर लाने के लिए 'बिझार' नाम की संस्था के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिंगापुर में वे कई सर्व-नस्लीय संगठनों से जुड़े हैं और उन्हें नेतृत्व भी प्रदान करते हैं।

यू.पी.एस.सी. प्रतियोगिता में सफल राहुल जैन एवं सारिका जैन सम्मानित

संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने वाले भवानीपटना, कालाहान्डी के **श्री राहुल जैन** (आई.पी.एस.) एवं काँटाबाजी, बलाँगीर की **कुमारी सारिका जैन** (आई.आर.एस.) को मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, लायन्स क्लब, जैन तेरापंथी समाज, तेरापंथ महिला मंडल आदि संस्थाओं ने समारोह आयोजित कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर **श्री प्रकाश अग्रवाल** (मारवाड़ी युवा मंच), **श्री संजय साहू** (लायंस क्लब), **श्री राकेश जैन**, **श्री ईश्वरचन्द जैन** (चैम्बर ऑफ कॉमर्स), **डॉ. घनश्याम जैन**, **श्री तिलक चन्द जैन**, **श्री गोपाल लाठ**, **श्री श्रीकान्त अग्रवाल**, **श्री आशीष जैन** आदि ने इन दोनों प्रतिभाओं को शुभकामनाएँ देते हुए प्रशस्ति पत्र देकर एवं शाल उढ़ाकर सम्मानित किया।

मदिरा न लगाना होठों से

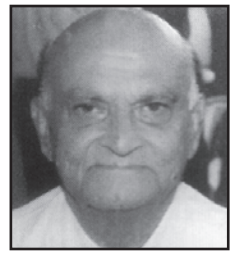

मदिरा न लगाना होठों से
ये जहर है कोई जाम नहीं।
बस एक हसीं यह धोखा है
कुदरत का कोई इनाम नहीं।

जिसने भी पिये प्याले इसके
बदनाम हुए वो बस्ती में,
नाले में गिर इज्जत खोई
झूमे फिर भी अलमस्ती में,
नज़रों में गिरा घरवालों की
वो बैठ नशे की कश्ती में,
अपराधी से इसका रिश्ता
पीना इंसां का काम नहीं।

जिसने बोतल से प्यार किया
बरबादी से इकरार किया,
लुट गयी आबरू घर भर की
चौपट सब कारोबार किया,
नीलाम हुआ घर-बार सभी
कंगाली ने यूँ वार किया,
खुद की गलती का फल है ये
बदकिस्मत का अंजाम नहीं।

है गलत सोचना लोगों का
इंसां दारू को पीता है,
पीती है दारू इंसां को
वह मुर्दा बन कर जीता है,
वह भरा हुआ समझे खुद को
पर सचमुच में वह रीता है,
मिटकर कयकश बोला दारू,
रावण है, कोई राम नहीं।

– डॉ. गार्गी शरण मिश्र 'मराल'

युवा शक्ति – राष्ट्र शक्ति

– युगल किशोर चौधरी
चनपटिया, पं. चम्पारण (बिहार)

हम युवजन हैं शक्ति राष्ट्र की, नई क्रान्ति कर दिखलायेंगे

हम में तेज समाहित रवि का, चरणों में गति है तूफानी।
उच्च हिमालय पर चढ़ सकते, क्या कर सकती हवा हिमानी?
नव प्रकाश चहुँदिशि फैलाकर, नया जमाना हम लायेंगे।

युवा शक्ति जब-जब है जागी, नया सबेरा भू पर आया।
अंधकार की हुई विदाई नव जीवन समाज ने पाया।।
हम युवजन तकदीर देश की, भुजबल से लिखते जायेंगे।

मंत्र संगठन अपना हमने, आजादी की ज्योति जलाई।
कर सर्वस्व समर्पित अपना, भारत माँ की जय गुंजाई।।
शोषण-अत्याचार मिटाकर, नव समाज गढ़ते जायेंगे।

मिलकर ऐसा देश रचेंगे जहाँ सुखी सब कोई होंगे।
नहीं गरीबी तनिक रहेगी, न्याय युक्त हिस्सा सब लेंगे।।
चीरेंगे उत्ताल लहर को, विजय-ध्वजा मिल फहरायेंगे।
हम युवजन हैं शक्ति राष्ट्र की, नई क्रान्ति कर दिखलायेंगे।।

समाचार-सार

सीताराम शर्मा भारत चैम्बर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित

यह हम सभी के लिये खुशी का विषय है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा भारत चैम्बर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। श्री राकेश शाह अध्यक्ष एवं श्री एन.जी. खेतान उपाध्यक्ष चुने गए हैं।

'सर्दियों में वनली टोर्रिडो' : रूपा का नया शीतकालीन उत्पाद

सर्दियों के आगमन के साथ ही, रूपा ग्रुप ने एक नया टी.वी. विज्ञापन लांच किया है जो लोगों को गर्म एवं आरामदायक स्थिति में रहने के लिए टोर्रिडो प्रीमियम चुनने के लिए प्रोत्साहित करता है।

विज्ञापन में एक शरारती पोलर बियर (सफेद भालू) दिखाया गया है जिसका स्पर्श टोर्रिडो प्रीमियम थर्मल्स पहननेवालों को छोड़कर सभी को बर्फ में बदल देता है। विज्ञापन के साथ गुनगुनाने लायक आकर्षक जिंगल भी आता है, जिसके शब्द हैं – "पोलर बियर, पोलर बियर, लुक्स सो नाईस। टच करते ही एवरीवन आईस।"

टोर्रिडो रूपा ग्रुप के थर्मल्स की प्रीमियम रेंज है। विज्ञापन कुशलतापूर्वक इस ब्रान्ड के साध्य को दिखाता है और इसकी यू.एस.पी. को रेखांकित करता है।

श्याम बिहारी सुल्तानियां ने लिया नेत्रदान का संकल्प

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय डोकानियाँ के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि सम्मेलन के आजीवन सदस्य श्री श्याम बिहारी सुल्तानियां ने मरणोपरांत अपनी आँखें दान करने का संकल्प लिया है और इसके दस्तावेज हस्ताक्षर कर संबंधित विभागों में जमा कराया है।

सम्मेलन परिवार इस पुण्यसंकल्प हेतु श्री सुल्तानियां को साधुवाद अर्पित करता है!

सफलता के लिए अध्यात्म

– डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया
निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

अध्यात्म मानवता को आवृत किए रखता है। यह सृजन का आंतरिक नियम है। यह प्रकृति में अंतर्निहित है। प्रत्येक मानव अनंत, पूर्ण और दैवीय है। सृजन ईश्वर का प्रकटीकरण है। ईश्वर अकेले थे। **उन्होंने कहा, "एकोऽहं बहुस्यामि" – मैं एक हूँ, मुझे अनेक होने दो।**

मैं एक-अकेला हूँ, इसे एक से अनेक होने दो – यह उपनिषदों की शिक्षा है। ईश्वर की दृष्टि में प्रत्येक व्यक्ति प्रेम, नैतिकता, शक्ति का समुद्र, अनंत ज्ञान एवं अनंत शक्ति से सहजात युक्त है। वह हमारे पिता, माता एवं मित्र हैं। आंतरिक शक्ति को जगाने और प्रज्ज्वलित करने की आवश्यकता है। इसके लिए अवचेतना के अशक्त आवाज को सुनना होगा। जीवन का लक्ष्य उस देवत्व का प्रकटीकरण है जो हमें प्रदत्त है।

अध्यात्म जीवन का सार है। यह आंतरिक शक्ति को जगाता है। यह शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करता है। यह शक्ति एवं आनंद से आत्मा को सुलगाता है।

यह फल की अपेक्षा के बिना, आनंद सहित कठिन कार्य करने के शाश्वत नियम की भावना का संचार करता है। भौतिक विश्व के संदर्भ में यह जीवन के जटिलताओं की गहन जानकारी, बोध एवं अंतःप्रज्ञा प्रदान करता है।

असफलताओं और विषाद के तूफानों में आध्यात्मिक विचार आत्मविश्वासपूर्वक एवं पुनर्नवीनीकृत उर्जा के साथ खड़े होने की शक्ति देते हैं। यह असफलताओं से पार पाने एवं सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ने के लिए सशक्त करता है। जीवन आनंदपूर्ण एवं तनावरहित हो जाता है। अध्यात्म से जीवन प्रबुद्ध होता है। असफलताएँ प्रगति-मार्ग में सहायक बन जाती हैं। यह याद्दाश्त को तीव्र करता है। यह नयी तेजस्विता देता है। यह स्वयं में एवं सभी में विश्वास का विचार आत्मसात कराता है। यह जीवन को अनुशासित एवं संतुलित करता है। यदि आप 'स्पिरिच्युलिटी' शब्द के भाग करते हैं, वे हैं 'स्पिरिट' और 'उआलिटी'; जो है, "स्पिरिट इज योर क्वालिटी"। यह पहचानता है कि 'स्पिरिट' में 'यू' और 'आई' वस्तुतः समान हैं।

स्वामी विवेकानंद ने कहा, "अपने अंदर अध्यात्म को प्रकट करो। ध्यान रखो, यदि तुम अध्यात्म को छोड़ देते हो तो परिणाम यह होगा कि तुम तीन पीढ़ियों में विलुप्त हो जाओगे।"

युद्धक्षेत्र में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से, जो राज्य के लिए अपने संबंधियों, बड़ों और दूसरों को मारने के भावनात्मक दुःख से विषादग्रस्त थे, कहा कि **तुम्हें ईमानदारी के साथ अपने कर्त्तव्यों का पालन करने का अधिकार है किन्तु परिणामों को नियंत्रित करने की चेष्टा मत करो।** 'काम का परिणाम' या फल उद्देश्य नहीं होना चाहिए। अतः, असफलता या सफलता किसी के हाथ में नहीं है। प्रत्येक मनुष्य को तन्मय एकाग्रता के साथ, न्यायोचित ढ़ंग से, परिश्रम के साथ कार्य करना है।

भौतिक विश्व में उपलब्धियाँ हासिल करना मात्र ही सफलता नहीं है। आंतरिक खुशी, शान्ति एवं सेवा तथा प्रेम का प्रवाह भी होना चाहिए। असफलता एवं सफलता जीवन-यात्रा के अंग हैं। पूर्व राष्ट्रपति **डॉ. प्रो. अब्दुल कलाम ने अपनी पुस्तक 'द जर्नी ऑफ माई लाइव' में लिखा, "मेरा दृढ़ विश्वास है कि जब तक किसी ने असफलता का कड़वा स्वाद नहीं चखा, वह सफलता के लिए उत्कट अभिलाषा नहीं रख सकता। मैंने सिक्के के दोनों पहलू देखे हैं और जीवन की कठिनतम सीखें तभी प्राप्त की हैं जब मैं असफलता के कारण निराशा के गर्त में था।"** चैतन्य के विकास की प्रक्रिया के माध्यम से अध्यात्म हमारा मार्गदर्शन कर सकता है। मस्तिष्क, शरीर और आत्मा का आध्यात्मिक विकास हमें असफलताओं से बचने एवं सफलता प्राप्त करने में मदद कर सकता है। डॉ. कलाम जब नौकरी में न चुने जाने की वजह से विषादग्रस्त थे तब उन्हें एक सम्मानित प्रबुद्ध गुरु से प्रेरणा मिली थी। असफलता और सफलता को समान रूप से देखने की संस्कृति सीखनी होगी। सफलता आसान नहीं है। एकाग्रता के साथ कठोर श्रम की आवश्यकता होती है। समग्र सफलता आनंद देती है जो वैश्विक है। जीवन पर नियंत्रण रखें। इसे साधारण बनायें। नैतिक सत्यनिष्ठा अनिवार्य है। अपने मस्तिष्क को केन्द्रित करें और अपने अंदर के ईश्वर की शक्ति का अनुभव करें। सफलता आवश्यम्भावी है। अपने समय का ध्यान रखें। समय बर्बाद न करें। ईश्वर-प्रदत्त ताजी शक्ति के संसाधन के साथ मस्तिष्क सदैव अविजित रहना चाहिए। अपनी असफलता और उसके कारणों तथा अनुभवजनित लाभों का आकलन करें।

कोनोसुके मटसुशिता की किताब **'नॉट फॉर ब्रेड अलोन'** में प्रबन्धन में आध्यात्मिक दर्शन इसकी महान सफलता का कारण है। **स्टीव जॉब्स**, एक कॉलेज ड्रॉपआउट, एपल कम्पनी में काम करता था। एक नये अतिशिक्षित सी.ई.ओ. ने स्टीव को अशिक्षित समझकर काम से निकाल दिया। स्टीव ने बुरे दिन देखे। वह प्रत्येक सप्ताह इस्कॉन में खाना खाया करते थे। **भारत में जब आये तब अध्यात्म के माध्यम से उनकी सहजबुद्धि और गहरी समझ जागी।** वह बाइज्जत दुबारा बहाल किया गये। तब उन्होंने एपल का विकास किया। उन्होंने एपल को एक ६०० बिलियन डॉलर की कम्पनी बनाया। **मार्क जुकेरबर्ग, फेसबुक के सह-संस्थापक, ने कहा कि उन्हें भारत में आध्यात्मिक जागृति मिली।** जिससे उन्हें अंतर्ज्ञान प्राप्त हुआ, फेसबुक बना पाये।

उपसंहार में, अपने आप में पूरा विश्वास रखें। आपमें अनंत शक्ति, सीमाहीन बुद्धिमता और अदम्य उर्जा है। सकारात्मक विचारों और प्रार्थनाओं से अपनी अंतर्निहित शक्ति को जगायें। आप सफलता पर सफलता प्राप्त करेंगे। अपना निश्चय दृढ़ रखें।

न्यू टेस्टामेंट के अनुसार, "आप सच्ची प्रार्थना करते वक्त जो इच्छाएँ रखते हैं, मान लें कि आपने उन्हें पा लिया है, तो आप उन्हें पायेंगे। निश्चयपूर्वक कहें कि मेरा पास दैवी शक्ति है, मेरे पास असीमित ज्ञान है, मैं सफल हूँ, मैं सफल हूँ।

ईश्वर हमारे उपर कृपा रखें और हमें साहस एवं सहिष्णुता दें।

जय भारत! जय विश्व! सभी सफल हो! सभी प्रसन्न हों! सभी कर्म के द्वारा ईश्वर की आराधना करें। ★★★

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

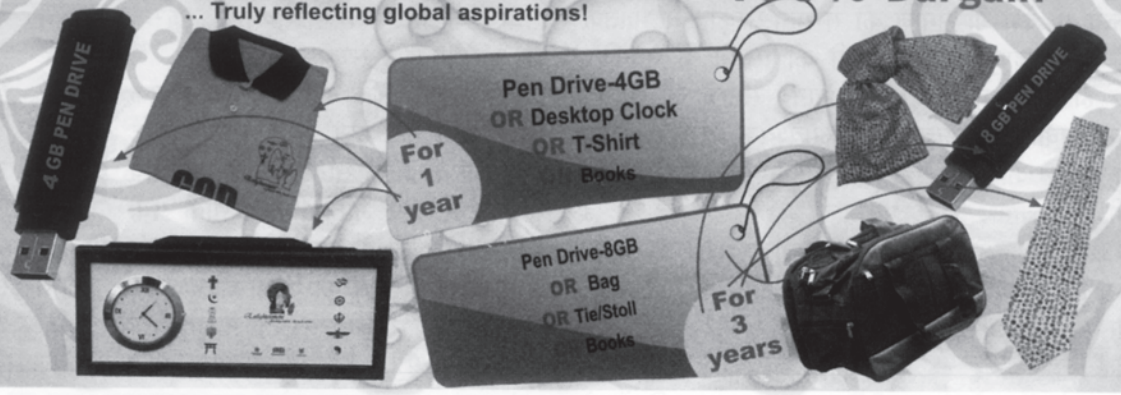

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR☐ Desktop ClockOR☐ T-Shirt OR☐Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

जावै लाख रैवो साख, गई साख तो बची राख

– **शिव कुमार लोहिया**, राष्ट्रीय महामंत्री

राजस्थान सदैव ही मरुभूमि रहा है। इसके बावजूद भी राजस्थान की लोक-संस्कृति, लोक-साहित्य एवं लोक-जीवन जीवंत रहा है। इसी जीवतंता का बोध वहाँ की भाषा में होता है। इस जीवतंता के कारण सीमित साधनों एवं अभावों के बावजूद वहाँ के जनजीवन में गूढ़ता से भरे मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ प्रचलित हैं। इन मुहावरों से वहाँ के लोक-जीवन की उज्ज्वल छवि भासित होती है। कालचक्र के कारण नयी पीढ़ी अब इन विशिष्टताओं से अनभिज्ञ है। इसलिये यह समीचीन होगा कि इन मुहावरों के जरिये हम राजस्थान की विरासत का आनंद लें। ये मुहावरे साधारण से लगते हैं पर इनमें व्यापकता एवं गूढ़ता समायी हुयी है। ये कहावतें सारगर्भित, मर्मस्पर्शी एवं संदेशवाहक हैं। इनमें से कुछ का मैं उल्लेख करना चाहूँगा।

सत मत छोड़ो हे नर, सत छोड़याँ पत जाय, सत की बांधी लिच्छमी फिर मिलैंगी आय – सत्य का साथ मत छोड़ो, सत्य का साथ छोड़ने से सम्मान चला जाता है। किसी कारणवश अगर धन/वैभव कम हो जाय तो सत्य की राह चलने से पुनः प्राप्त हो जायगी। इस अत्यंत महत्वपूर्ण कहावत में मनुष्य को सदैव ही सत्य के पथ पर चलने को कहा गया है।

अणमांगी दूध बरोबर, मांगी मिले सो पाणी, वा भिच्छा भी रगत बराबर जिमें टाणाटाणी – इस खूबसूरत कहावत का भाव अति उत्तम है। बिना माँगे जो मिलती है वह सर्वश्रेष्ठ है। उसके बाद का स्थान माँगने से मिलने वाली वस्तु का होता है। जिस चीज को पाने के लिए खींच-तान करनी पड़े, वह निकृष्ट है।

सदा न जुग मे जीवणा, सदा न काला केस, सदा न बरसे बादली, सदा न सावण होय – इस कहावत में जीवन का सत्य निहित है। कहते हैं कि जीवन सदा के लिए नही हैं। न ही जवानी सदा रहती है। सारे बादल बरसने वाले भी नही होते हैं। सदैव श्रावण मास भी नहीं बना रहता।

आलस नींद किसान ने खोवे, चोर ने खोवे खांसी, टक्को ब्याज मूल न खोवे, तिरया न खोवे हाँसी – इस कहावत में सुंदर उपमाओं का चयन किया गया है। कहा गया है कि किसान को आलस्य त्याग कर मेहनत करना चाहिये। चोर को खाँसी एवं स्त्री को निर्लज्जता भारी पड़ती है एवं ऊँचा ब्याज मूल को ही खा जाता है।

सच कहवै थी मावड़ी झूठ कहवै था लोग, खारी लागी मावड़ी, मीठा लाग्या लोग – इस कहावत में भ्रमित मानव की मनोदशा का वर्णन किया गया है। कहा गया है कि माँ सच कहती थी, लेकिन उसका कथन अप्रिय लगता था। बाहरी लोग हालाँकि गलत बोल रहे थे फिर भी उनकी बातें मनभावन लगती थी।

टुकड़ा दे बछड़ा पाल्या, सींग हुया जद मारण चाल्या – इस कहावत में समाज में व्याप्त स्थिति का बयान किया गया है। जिसे पाल पोस कर या सहारा देकर आगे बढ़ाया जाता है, वही व्यक्ति सबल हो जाने पर परम विरोधी बन जाता है।

कदेई बड़ा दिन, कदेई बड़ी रात – इसमें कहा गया है कि अच्छे दिन एवं बुरे दिन धूप छाँव की तरह होते हैं, ये आते-जाते रहते हैं।

रोया राबड़ी कुन घालै – इसका तात्पर्य है कि सदैव असहाय होकर रोने से मदद नहीं मिलती। परिश्रम करना आवश्यक है।

मतलब की मनुहार, जगत जिमावै चुरमा – स्वार्थ पड़ने पर ही लोग खुशामद करते हैं। मतलब निकल जाने पर कोई नहीं पूछता।

थूंक सूं गांठ जोड़्या किता दिन सधै – बिना सोचे समझे तत्काल काम करने से आवश्यक फल नहीं मिलता। और दूरगामी असर भी नहीं होता है।

बकरी रोवै जीव ने, खटीक रोवै खाल ने – इसमें कहा गया है कि प्रत्येक परिस्थिति में सबों के दृष्टिकोण अलग-अलग होते हैं। जिस प्रकार कसाई के यहाँ बकरी को अपनी जान की फिकर रहती है, कसाई उसके खाल इत्यादि की चिंता करता रहता है।

मिनख कमावै चार पहर, ब्याज कमावै आठ पहर – इस कहावत में ब्याज के निरंतर घूमते चक्र से सावधान रहने की हिदायत दी गई है।

आंधा री माखी राम उड़ावै – इस मार्मिक कहावत में कहा गया है कि बेसहारों का सहारा भगवान को छोड़कर और कोई नहीं है।

जावै लाख रैवो साख, गई साख तो बची राख – इस कहावत में साख या इज्जत के महत्व को बताया गया है। साख चले जाने पर राख बचता है। इसलिये किसी भी कीमत पर साख बचानी चाहिए।

थोथो शंख पराई फूँक सै बाजै – जिस प्रकार शंख में किसी के हवा भरने पर ही ध्वनि निकलती है, उसी प्रकार क्षमताहीन व्यक्ति दूसरों के सहारे बिना आगे नहीं बढ सकते।

कदै घी घणा कदै मुटठी चणा – प्रत्येक परिस्थिति में सम रहने की सीख देती इस कहावत में कहा गया है कि कभी अधिक घी मिल जाता है एवं कभी सिर्फ मुट्ठी-भर चने से काम चलाना पड़ता है।

पगड़ी गई आगड़ी सिर सलामत चायी जै – इस कहावत में उन लोगों का जिक्र है जो अपनी इज्जत रूपी पगड़ी का ध्यान नहीं रखते, सिर्फ अपने सुख-सुविधा, धन-दौलत का ध्यान रखते हैं।

कमाऊ आव डरतो, निखट्टू आवै लड़तो – परिवार में धनार्जन करने वाले व्यक्ति को सदैव अपने मान-सम्मान का ध्यान रहता है। जो व्यक्ति अकर्मण्य रहता है, उसे सदैव अपनी बात मनवाने की ही चिंता रहती है।

आप री गरज गधै ने बाप कहवावै – गरज पड़ने पर अनुपयुक्त व्यक्ति को भी सम्मान देकर अपना काम निकलवाना पड़ता है।

चिड़ा चिड़ी री कई लड़ाई, चाल चिड़ा मै थारे लारे आई – पति पत्नी में लाख अनबन हो जाय, पर ठहरता नहीं। जल्द ही वे मनोमालिन्य को भुला देते हैं।

सती सराप देवे नी, छिनाल लो सराप लागे नी – अच्छे व्यक्ति दूसरों का अहित नहीं करते एवं अधम व्यक्ति दूसरों का कुछ बिगाड़ नहीं सकते।

पिस्या थारा तीन नाम, परस्या परसु परसा राम – इस कहावत में रुपये पैसों के महत्व को दर्शाया गया है। जैसे-जैसे व्यक्ति के पास पैसा बढ़ता है, वैसे-वैसे उसकी इज्जत बढ़ने लग जाती है।

म्हे भी राणी, तू भी रानी, कुण घालै चूल्हे मं छाणी – घर परिवार में असहयोग एवं अहम की भावना के बुरे असर की ओर इंगित करती है यह कहावत।

बकरी रे मूंडा में मतीरो कुण खटण दे – कमजोर को सब सताते हैं। यहाँ तक कि उनके मुँह के निवाले भी सक्षम छीन लेते हैं।

दिनचर्या में काम आने वाले कहावतें, जिनका अर्थ सुस्पष्ट है – **सीधे रस्ते आवणो, सीधे रस्ते जावणो, काम उ काम राखणो, दूजारीं पंचाइती नी करनी, सोच समझ ने पग राखणो, घणो लालच नई करणो, सुण नी सबरी करनी मन री।** आज के आधुनिक युग में इन कहावतों को अपने जीवन में उतार कर हम अपने जीवन को सहज, सरल एवं सफल बना सकते हैं। ★★★

बुढापा अभिशाप नहीं वरदान है बशर्ते ...

— भानीराम सुरेका
पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री

मैं अक्सर हतप्रभ हो जाता हूँ जब अपने से कम उम्र के लोगों को यह कहते सुनता हूँ कि भाई अब तो चलाचली की बेला है, शाम हुई रात बाकी है, जो कुछ है उसी को संभाल लें तो बहुत है। मेरे गृह प्रदेश राजस्थान में और पड़ोसी राज्य हरियाणा में तो ६० के करीब पहुँचने वालों का यह कहना आम है – "भाया अब तो साठी आ गी। बाल सफ़ेद हो गया। गोडा में दरद रहण लाग्यो, मेथी खाने से अबकी जाड़ो कटगो तो समझो जंग जीत लियो।" यानि ६० की उम्र को ये जीवन का आखिरी पड़ाव मानते हैं।

मेरे बचपन का एक साथी हरिप्रसाद टाईवाला मेरे से उम्र में डेढ़ साल छोटा है। पहले कोलकाता आया और फिर असम जाकर वहाँ एक गेस्ट हाउस चलाने लगा। बेटे बड़े हुए और व्यवसाय संभाल लिया पर जैसे ही जीवनसंगिनी का साथ छूटा वह मन से टूट गया। अपने को बूढा मानकर सबसे किनारा कर लिया और अब गाँव में अकेले अपनी हवेली में रहकर जीवन के दिन गिन रहा है। इसी तरह कई साल पहले एक बार जब मैं वेबफूना की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल में बेलारूस गया तो मेरे साथ सांसद सौगत राय भी थे। उनकी प्रेरणा से मैंने चाय का कारोबार करने का विचार किया। चूँकि एक नए देश के साथ व्यवसाय की शुरुआत करनी थी इसलिए मेरे मन में ख्याल आया कि क्यों न मैं रशियन भाषा सीख लूँ। मैंने तत्काल रशियन भाषा सीखने के लिए प्रवेश ले लिया। मन में गज़ब का उत्साह था और बड़े चाव से सीखने की कोशिश की।

आज मैं स्वयं जीवन के ७५वें पड़ाव की ओर अग्रसर हूँ। कई तरह की उम्रजनित व्याधियाँ हैं पर मन का उत्साह अभी तक कायम है। नियमित दफ्तर आना और पूरे समय रहकर सभी कामों का जायजा लेना, जरुरत पड़ने पर किसी काम को करने के लिए तत्पर रहना तथा अधिकतर समय लिखने-पढ़ने और गुणीजनों के साथ विचार-विमर्श करने में बिताना और सभा-सोसाइटी में जाना मेरी दिनचर्या बन चुकी है। इससे मेरा मन लगा रहता है और कभी उम्र का बोझ सर चढ़कर नहीं बोलता।

भारतीय ऋषि परंपरा में जीवन को १०० वर्षों का मानकर चार आश्रमों में बांटा गया था – ब्रह्मचर्य आश्रम, गृहस्थ आश्रम, वानप्रस्थ आश्रम एवं संन्यास आश्रम। प्रत्येक आश्रम के लिए २५ वर्ष की अवधि निश्चित की गई थी। प्रत्येक आश्रम के लिए कर्त्तव्य निश्चित थे। मनुष्य स्वतः आश्रम की व्यवस्था के अनुसार कर्त्तव्य करता था। इस व्यवस्था में सांसारिक कर्तव्यों के साथ साथ चिंतन-मनन के लिए भी समय की गुंजाईश रखी गई थी। इस तरह चिंतन का विकास और पीढ़ियों तक उसका प्रचार होता था। लेकिन समय के साथ जीवन की अवधि तो बढ़ी है, चिकित्सा क्षेत्र में हुए क्रांतिकारी आविष्कारों ने मृत्यु की आकस्मिक घटनाओं को नियंत्रित किया है। फिर भी अमूनन लोग जीवन की सर्वोच्च अवधि ६० वर्ष का आँक कर सभी फैसले लेते हैं। सरकारी नौकरी की सीमा भी इसी आधार पर तय की जाती है। लेकिन क्या ६० वर्ष का जीवन ही सभी को अभीष्ट है? बहुत से लोग इससे ज्यादा आज भी जीते हैं और ऐसे लोग भी मिलेंगे जो शतायु हैं।

कभी सोचा है लम्बी उम्र का राज़ क्या है? थोड़ा सा दिमाग पर जोर डालिए तो देखेंगे कि साम्प्रतिक काल में कई ऐसे ख्यातनामा व्यक्ति हुए हैं जिनकी उम्र उनके सोच पर कभी हावी नहीं हुई। महशूर लेखक खुशवंत सिंह ने ९९ साल का जीवन पाया और जीवन के आखिरी क्षणों तक वे लेखन में सक्रिय रहे। उनके लेख विभिन्न भाषाओं में देश के १२६ पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते थे। पश्चिम बंगाल से लंदन जाकर बसे लेखक निरोद सी. चौधरी भी ९० साल की आयु तक लेखन में लगे रहे। इसी तरह पत्रकार श्री गीतेश शर्मा ८३ की उम्र में भी किसी युवा की तरह सक्रिय हैं और अभी तक देश-विदेश में घूमने का अपना शौक नियमित पूरा करते रहते हैं। सद्यः दिवंगत डॉ. सरला बिड़ला ९० साल की उम्र तक स्वस्थ और सक्रिय थीं। बाबू बसंत कुमार बिड़ला ९४ की उम्र में भी सचल हैं। इसी तरह मेरे अग्रज बिश्वम्भर दयाल सुरेका ने ८६ साल की आयु पाई और अंत तक सक्रिय रहे। अभी-अभी मैंने टीवी पर देखा कि दिल्ली में एक प्रतिवाद सभा को संबोधित करने आई हिंदी की ख्यातनामा लेखिका कृष्णा सोबती ९० की उम्र में भी हौसला कम नहीं रखती। कई ऐसे राजनेता आज भी हैं जो ९० और ८० के पड़ाव पर सक्रिय हैं जिनमें लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी प्रमुख हैं। अतीत में ईएमएस नम्बूदरिपाद, हरकिशन सिंह सुरजीत, सी अच्युतानंदन, ज्योति बसु जैसे नेताओं को हमने ९० के बाद भी कर्मठ जीवन जीते देखा है। सदाबहार फ़िल्मी नायक देवानंद ९० की आयु तक फिल्मों में सक्रिय रहे और सबको हँसते हुए जीवन का सन्देश दिया।

इस तरह अनेकों उदाहरण और मिल सकते हैं। लंबी उम्र तक जीने वालों में ये बात आम होती है कि ये जीवन के प्रति बहुत ही सकारात्मक होते हैं और अपने जीवन को अमूल्य मानते हैं एवं इसके सर्वश्रेष्ठ उपयोग को लेकर सतर्क भी। ये जीवन से खिलवाड़ नहीं करते बल्कि हमेशा ऐसे कामों को तरजीह देते हैं। जीवन के प्रति हमारे नकारात्मक विचार हमें निरंतर मानसिक रूप से कमजोर बनाते हैं और हम जीवन की चुनौतियों से लड़ने की बजाय हथियार डालकर स्वतः मृत्यु को बुलावा देते हैं।

इसलिए मेरा मानना है कि लोगों को इस बात के लिए भी नियमित रूप से काउंसिलिंग करने की जरूरत है कि वे वक्त से पहले स्वयं को अक्षम न समझें और जब तक शरीर साथ दे रहा है तब तक काम से छुट्टी न लें। वैसे भी विज्ञान के वरदान से चिकित्सा क्षेत्र में क्रांतिकारी आविष्कार हुए हैं और लोगों के जीने की अवधि पूरी दुनिया में बढी है। भारत में भी साधन संपन्न लोगों के पास जीने के अवसर मौजूद हैं।

बुढापा जीवन की एक अवस्था मात्र है जिससे सबको गुजरना है मगर इसका यह मतलब नहीं कि इस उम्र में काम नहीं किया जा सकता। आपने टाटा के पूर्व प्रमुख जमशेद जी का नाम सुना होगा। उन्होनें ९० साल की आयु में दुनिया को अलविदा कहा मगर तब भी वे व्यवसाय के सिलसिले में जेनेवा में थे। इसी तरह मारवाड़ी समाज के एक लोकप्रिय नायक प्रभुदयाल हिम्मतसिंघका १०० साल की आयु तक सक्रिय रहे और काम करते हुए ही उनकी मौत हुई।

मेरे कहने का निहितार्थ यह है कि अपने जीवन का सर्वोत्तम उपयोग करें और जब तक मृत्यु स्वयं न आये आप उसको अपनी सोच

प्रभु का दिया अनमोल ये जीवन यूँ ही न बर्बाद करो
पल-पल कर्म करो कुछ सार्थक धरती को आबाद करो। ★ ★ ★

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

संरक्षक सदस्य

सम्मेलन के सदस्य

बनें एवं बनायें।

श्री विष्णु मित्तल
एफ - एफ - १६, क्रॉस रिवर मॉल
सी.बी.डी. ग्राउण्ड
शाहदरा
दिल्ली - ११००१३२
मो. : ९८७३९२६६०४

आजीवन सदस्य

श्री कमल अग्रवाल
सी-१२२, रामप्रस्थ
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९८११८१९९४४

श्री संजय टिबरेवाल
फ्लैट नं.-३५, जी.सी.ईम्राल्ड हाईट्स
रामप्रस्थ, गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९३१३४४४९२२

श्री सुनिल कुमार अग्रवाल
सी-८३, सुर्या नगर
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९८११८५६०००

श्री रमेश चंद शर्मा
मे. वेंकटेश इन्टरप्राईजेज
४८/१/७, साईट IV, साहिबाबाद
गाजियाबाद-२०१०११, उत्तर प्रदेश
मो. : ९८१०८२२००३

श्री राजेश गुप्ता
एल-७४, विन्डशोर पार्क
५, वैभव खण्ड, इन्दिरापुरम
गाजियाबाद - २०१०१४, उ. प्र.
मो. : ९८१८४७०८७७

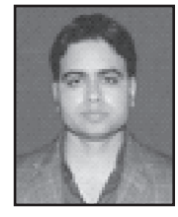

श्री सुनिल डागा
डी-२०३, द्वितीय तल, रामप्रस्थ
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९८७११९९४१३

श्री संजय गोयल
सी-११३, रामप्रस्थ कॉलोनी
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो.: ९५६०१२२१२३

श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल
सी-१७७/एफ.-१, रामप्रस्थ कॉलोनी
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो.: ९८९९८३२२२१

आजीवन सदस्य

श्री अरूण कुमार अग्रवाल
६/५२, वैशाली
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९२१२३४५५४१

श्री जय प्रकाश मित्तल
बी-१०१, एस-१, रामपुरी
चन्द्रनगर
गाजियाबाद-२०१०११, उत्तर प्रदेश
मो. : ९८९१७८८६२८

श्री शिव शंकर अग्रवाल
सी-१३५ए, द्वितीय तल, सुर्या नगर
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९८११४६८५३४

श्री संदीप गुप्ता
५५ए, पॉकेट एच
दिलशाद गार्डेन
दिल्ली - ११००९५
मो. : ९७१७०००६७४

श्री प्रदीप अग्रवाल
सी-१८४, फ्लैट नं. - २०३
रामप्रस्थ कॉलोनी
गाजियाबाद-२०१०११, उत्तर प्रदेश
मो. : ९९९९७०६००३

श्री विमल महनोत
२११, सिण्डिकेट हाऊस
३, ओल्ड रोहतक रोड, इन्द्रलोक
दिल्ली - ११००३५
मो. : ९३१३३४८५००

श्री कमल कुमार झुनझुनवाला
३६९, ब्लाक-सी,
योजना बिहार
दिल्ली - ११००९२
मो.: ९८१०२३२०१८

श्री राजेश जालान
सी-६८, सुर्या नगर
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो.: ९८११२८६३२९

श्री मनीष जालान
सी-६८, सुर्या नगर
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो. : ९८११०४९६३१

श्री दुर्गेश कुमार जगतरामका
५१२, इम्पेरियल-१
सुपरटेक एस्टेट, सेक्टर-९, वैशाली
गाजियाबाद-२०१०११, उत्तर प्रदेश
मो. : ९३१३४५०८३१

श्री कृष्ण मोहन खेमका
सी-१४१, सुर्या नगर
गाजियाबाद - २०१०११
उत्तर प्रदेश
मो.: ९८१०४२४८८८

श्री दिनेश गोयल
३०१, बलराम हाऊस
करमपुरा कॉमर्शियल कम्पलेक्स
नई दिल्ली - ११००१५
मो.: ९८११०४२९९२

Shaping

a greener tomorrow

Accountability to the future generation

S R RUNGTA GROUP

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2013-2015
Date of Publication - 15th December 2015
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
(2nd Floor) Kolkata - 700 007
Telefax : (033) 2268 0319
E-mail : aimf1935@gmail.com